ग्लोबल इंडिया

ट्रंप के नारे वाली हैट पहनने पर कनाडाई जज सस्पेंड

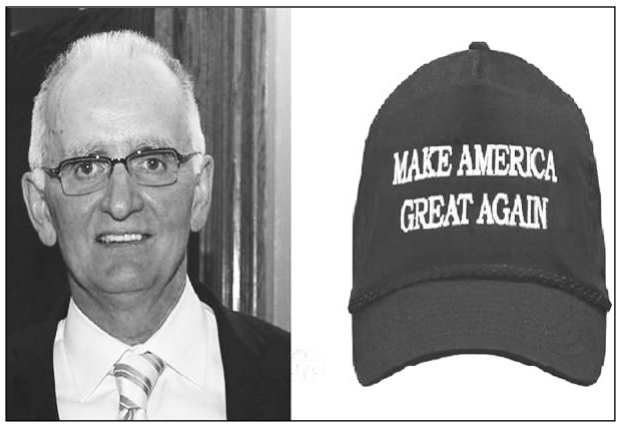

ओंटारियो। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के दूसरे दिन ही कनाडा के 69 वर्षीय जज ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे वाली हैट पहन सुबह अदालत में प्रवेश किया और यही उनके करियर की सबसे बड़ी गलती हो गई। जिसके लिए उन्हें 30 दिनों तक बगैर वेतन सस्पेंड कर दिया गया। इस घटना के बारे में काउंसिल को 81 शिकायतें मिली। पिछले माह हुई जज बर्न्ड जाबेल की पेशी में उन्होंने कहा कि मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति का समर्थन नहीं किया बल्कि वह माहौल को सामान्य बनाना चाहते थे और इसलिए वह हैट पहनी। ओंटारियो ज्यूडिशियल काउंसिल के फैसले के अनुसार, 'जस्टिस जाबेल को न्यायिक आचरण के उल्लंघन मामले में सजा दी गई। इस फैसले में यह भी कहा गया कि जाबेल को 30 दिनों के लिए सस्पेंड किया गया है और इस दौरान वे बिना वेतन के रहेंगे। दिसम्बर से वे किसी भी केस की सुनवाई नहीं कर रहे हैं। काउंसिल पैनल ने लिखा, जस्टिस जाबेल की इस गतिविधि से कइयों को ऐसा लगा कि वह ट्रंप के समर्थक थे और ट्रंप की नीति के साथ सहमत हैं। 15 नवंबर को जाबेल ने कोर्ट के समक्ष अपनी पहली पेशी के दौरान माफी मांगी और कहा कि यह केवल मजाक के लिए किया गया था इसका कोई राजनीतिक अर्थ नहीं। 1990 में बतौर जज जाजेब को ओंटारियो कोर्ट में नियुक्त किया गया था।

तीन ऐस्ट्रनॉट्स 5 महीने के अभियान पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे

कजाखस्तान। अमरीका के दो और रूस का एक अंतरिक्ष यात्री 5 महीने के अभियान पर आज

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पहुंचे। वे कजाखस्तान में बायकोनूर कोस्मोड्रोम से रवाना हुए थे। रूस की रोसकोस्मोस अंतरिक्ष एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में बताया कि सोयूज एमएस-06 अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर सफलतापूर्वक आईएसएस पहुंचा।

रूसी एजेंसी के एलेक्जेंडर मिसुर्किन और नासा के मार्क वैंदे हेइ तथा उनके अनुभवी सहकर्मी जोए अकाबा को ले जाने वाले सोयूज एमएस-06 रॉकेट का स्थानीय समयानुसार आज सुबह 3:17 बजे बायकोनूर से प्रक्षेपित किया गया था।

इन अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस में इटली के पाओलो नेस्पोली, रूस के सर्गेइ रियाजांस्की और अमरीका के रैंडी ब्रेस्निक का साथ मिलेगा।

जलवायु परिवर्तन से कॉफी प्रेमियों को लगेगा झटका

वॉशिंगटन। जलवायु परिवर्तन से दुनिया के सबसे बड़े कॉफी उत्पादन क्षेत्र लैटिन अमेरिका में पैदावार पर असर पड़ेगा। 2050 तक उत्पादन 12 फीसदी की गिरावट के साथ 88 फीसदी रह जाएगा। शोधकर्ताओं ने हाल ही में किए अध्ययन के बाद यह चेतावनी दी है।

यह पहला शोध है जिसमें कॉफी और उसके उत्पादन में मददगार मधुमक्खियों पर जलवायु परिवर्तन के असर का अध्ययन किया गया है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ वरमोंट के टेलर रिकेट्स के मुताबिक, धरती पर कॉफी सबसे ज्यादा मूल्यवान चीजों में से एक है और इसके उत्पादन के लिए उपयुक्त मौसम व मधुमक्खियों के परागण की जरूरत होती है। इस अध्ययन में कॉफी उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों निकारागुआ, होंडूरास और वेनेजुएला में पूर्व अध्ययनों की तुलना में ज्यादा नुकसान की आशंका जताई है। टेलर कहते हैं, लाखों ग्रामीण लोगों की आय का स्रोत कॉफी है। इस पर बुरा असर पड़ने से उनका जीवन भी प्रभावित होगा। शोधकर्ताओं ने इन क्षेत्रों के विकल्प तलाशने का भी प्रयास किया है, जहां मधुमक्खियों की विविधता में वृद्धि की उम्मीद है। कोलंबिया के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ट्रॉपिकल एग्रीकल्चर (सीआईएटी) के पाब्लो इमबाक के मुताबिक, कुछ क्षेत्रों में कॉफी का उत्पादन गिरेगा। ऐसे में हम यह जानना चाहते थे कि क्या इसकी क्षतिपूर्ति मधुमक्खियों के जरिए की जा सकती है क्योंकि कॉफी उत्पादन क्षेत्रों में मधुमक्खियां होंगी तो परागण के कारण उत्पादन में वृद्धि होगी। पीएनएएस जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में उष्णकटिबंधीय वनों के महत्व को भी रेखांकित किया गया है, जो जंगली मधुमक्खियों और अन्य परागकणों के लिए प्रमुख स्थान है।

नई खोज

अब यूरिन से बनेगा फ्यूल!

हाइड्रोजन ईंधन पैदा करने वाले नैनो पाउडर की खोज

वॉशिंगटन। दुनिया में कोई भी चीज बेकार नहीं जाती है और वैज्ञानिकों की ताजा खोज इसी बात को सच साबित करती है। वैज्ञानिकों ने ऐसा एल्युमिनियम नैनो पाउडर बनाया है जो मूत्र को तुरंत हाइड्रोजन में बदल देगा जिसका इस्तेमाल ईंधन के सेल को ऊर्जा देने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करवाने में किया जा सकता है। शोधकर्ताओं में भारतीय मूल के एक वैज्ञानिक भी शामिल हैं।

यूएस की आर्मी रिसर्च लैबरेटरी (एआरएल) के वैज्ञानिकों ने पहले घोषणा की थी कि उनका नैनो-गैल्वैनिक ऐल्युमिनियम पाउडर पानी के संपर्क में आने पर शुद्ध हाइड्रोजन का उत्पादन कर सकता है। शोधकर्ताओं ने पानी के सम्मिश्रण वाले किसी तरल पदार्थ में अपना पाउडर मिलाकर ऐसी ही रासायनिक क्रिया की। उन्होंने पाया कि इस पाउडर में मूत्र मिलाने से सामान्य जल मिलाने के मुकाबले कहीं ज्यादा दर से हाइड्रोजन पैदा होती है। एआरएल शोधकर्ता क्रिस्टोफर डार्लिंग ने कहा, आर्मी वैज्ञानिक के तौर पर हमारा काम ऐसी सामग्री और तकनीक विकसित करना है जिससे सैनिकों को सीधे लाभ मिले और उनकी क्षमताएं बढ़े। हमने एक ऐसी तकनीक विकसित की जो तुरंत पानी से हाइड्रोजन बना देगी। ब्रह्मांड में भरपूर मात्रा में पाए जाने वाले हाइड्रोजन में ईंधन से चलने वाले सेल को ऊर्जा देने और भविष्य में सैनिकों को ऊर्जा उपलब्ध कराने की क्षमता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि ईंधन सेल्स बिना प्रदूषण के बिजली उत्पन्न करते हैं। उन्होंने कहा कि ईंधन सेल्स कमबशन इंजन के मुकाबले ज्यादा ऊर्जा से भरपूर होते हैं और उन्हें ऊर्जा देने में इस्तेमाल किया जाने वाला हाइड्रोजन विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न हो सकता है।

अमेरिका की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने ढूंढा दुनिया का सबसे आलसी देश

न्यूयॉर्क। अमेरिकी की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने दुनिया का सबसे आलसी देश ढूंढ लिया है। एक स्टडी के अनुसार हांगकांग जहां विश्व का सबसे एक्टिव देश है वहीं इंडोनेशिया सबसे आलसी। हांगकांग के लोग जहां हर रोज औसतन 6880 कदम चलते हैं वहीं इंडोनेशिया के लोग महज 3513 कदम ही चलते हैं। शोधकर्ताओं ने 111 देशों में मौजूद 7.17 लाख मोबाइल फोन्स को ट्रैक करते हुए लोगों के चलने-फिरने का डेटा एकत्रित कर यह स्टडी की है। इसके अनुसार दूसरे देशों के मुकाबले ब्रिटेन के लोग जहां काफी एक्टिव नजर आए। यहां लोग रोजाना औसतन 5444 कदम चलते हैं जो कि 5 किमी के बराबर है। टीम ने इसके माध्यम से मोटापे से निपटने के लिए भी मदद उपलब्ध करवाई है क्योंकि इस डेटा से यह पता लगता है कि जिन देशों में लोग ज्यादा चलते हैं वहां मोटापे में कमी दिखी।

विवाहित महिला को सबके सामने मारे 100 कोड़े

जकार्ता। इंडोनेशिया में एक महिला को भीड़ के सामने बेरहमी से 100 कोड़े मारे गए। शरिया अदालत ने महिला को एक व्यक्ति के साथ निजी

जगह पर पाए जाने का दोषी ठहराया। बताया जा रहा है कि वह व्यक्ति उस महिला का पति नहीं था। बताया जा रहा है कि अस्स प्रांत की एक मस्जिद के सामने 30 वर्षीय मजिदाह को 100 कोड़े मारे गए। जिस वक्त उसे यह सजा दी गई, वहां सैकड़ों लोग मौजूद थे। सजा के बाद बुरी तरह घायल होने पर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मामले में दो पुरुषों को एक नाबालिग के साथ अभद्र व्यवहार करने का भी दोषी पाया गया। उन्हें भी 100 कोड़े मारने की सजा दी गई। अस्स देश का एक मात्र राज्य है, जहां शरिया कानून लागू है। इस कानून के तहत समलैंगिकता, शराब और जुआ खेलना अपराध है। इन अपराधों में अकेले साल 2016 में 339 लोगों को सार्वजनिक रूप से पीटने की सजा दी गई थी।

बीवी से झूठ बोलना पड़ गया भारी, लगा जुर्माना

बीजिंग। यहां के हांगझू शहर में एक व्यक्ति को पत्नी से झूठ बोलना भारी पड़ गया। सच्चाई सामने आने पर पुलिस ने उसे सबक भी सिखाया। दरअसल, यहां के एक नौकरीपेशा व्यक्ति को इस महीने तनख्वाह मिलनी

थी। पत्नी ने उसकी तनख्वाह आने पर कुछ सामान खरीदने की योजना बनाई थी, जबकि वह ऐसा नहीं चाहता था। इसलिए जिस दिन उसे तनख्वाह मिली, वह घर पहुंचा और रास्ते में उसके साथ लूट की बात पत्नी को बताई। पुलिस में रिपोर्ट लिखाई गई। रास्ते के सभी सीसीटीवी फुटेज जांची गई। पता चला कि उसके साथ कोई लूट नहीं हुई, उसने झूठ बोला है। इस पर पुलिस ने झूठी रिपोर्ट लिखाने पर उसे 10 दिन हवालात में रखा व 500 युआन (करीब 4,900 रुपए) का जुर्माना भी लगाया।

जर्मनी में बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेत का किला

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल

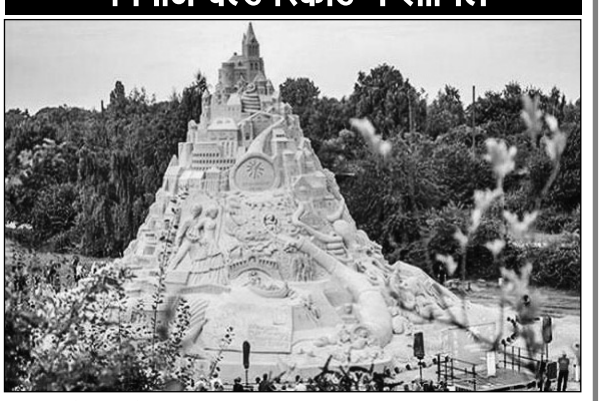

बर्लिन। जर्मनी में सबसे ऊंचे रेत के किले के लिए एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना है और इस किले की ऊंचाई 16.68 मीटर है जिसने भारतीय रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक का रिकार्ड तोड़ दिया है।

एक महीने में किया पूरा: इस विशाल रेत के किले को एथेंस के दुर्ग और पीसा की मीनार समेत दुनियाभर के पर्यटकों को आर्किषत करने वाली प्रतिकृतियों से व्यापक रूप से सजाया गया है। इसके लिए लगभग 3,500 टन रेत का इस्तेमाल किया गया। इसे कलाकारों की एक टीम ने लगभग एक महीने में पूरा किया। एक पूरा सप्ताह तो 168 ट्रकों में रेत इकट्ठा करने में लग गया।

विश्व शांति का दिया संदेश: गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड के निर्णायक जैक ब्रोकबैंक को भीड़ के सामने इस रिकार्ड को सत्यापित करना था। लैजर टेक्नॉलाजी का इस्तेमाल करके रेत की इस कलाकृति को नापने के बाद उन्होंने घोषणा की कि टीम ने सफलतापूर्वक पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया है। इस वर्ष 10 फरवरी को पटनायक ने ओडिशा में पुरी के बीच पर 14.84 मीटर लम्बा रेत का किला बनाकर विश्व शांति का संदेश दिया था।